Think IAS

दृष्टि
The Vision

Think Drishti

भूगोल

वैकल्पिक विषय

- वैकल्पिक विषय के रूप में भूगोल का चयन क्यों?
- सामान्य अध्ययन में भूगोल की भूमिका
- भूगोल के पाठ्यक्रम में किये गए संशोधन के लिये रणनीति
- मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिये रणनीति
- कक्षा कार्यक्रम की विशेषताएँ

द्वारा- कुमार गौरव

641, First Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi-110009
Contacts: 011-47532596, 87501 87501
E-mail : info@drishtiIAS.com, helpline@groupdrishti.com
Website : www.drishtiIAS.com

वैकल्पिक विषय के चयन का आधार

स्नातक या परास्नातक स्तर पर अध्ययन किये गए विषय का चयन करते समय निम्न बिन्दुओं पर ध्यान देना आवश्यक है:

- क्या विषय का संबंध सामान्य अध्ययन से है? (हाँ/नहीं)
- क्या उस विषय को कम समय में कम परिश्रम के द्वारा तैयार किया जा सकता है? (हाँ/नहीं)
- क्या संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में यह हिंदी माध्यम के अभ्यर्थियों के बीच चर्चित विषयों में से एक है? (हाँ/नहीं)

यदि हाँ, तो आपको निस्संदेह अपने स्नातक/परास्नातक स्तर पर अध्ययन किये गए विषय का चयन करना चाहिये। यदि नहीं, तो आपको इसकी जगह एक ऐसे विषय का चयन करना चाहिये जिसका संबंध सामान्य अध्ययन से हो।

- *विषय रुचिकर एवं अंकदायी हो एवं उसकी प्रकृति अंतर्विषयक हो क्योंकि यह तत्त्व अत्यधिक महत्त्वपूर्ण है।*
- *विषय में मार्गदर्शन के साथ स्तरीय अध्ययन सामग्री को लेकर भी कोई समस्या न हो।*

वैकल्पिक विषय के रूप में भूगोल का चयन क्यों?

- प्रारम्भिक परीक्षा के 100 प्रश्नों में भूगोल एवं पर्यावरण से कम-से-कम 30-35 प्रश्न पूछे जाते हैं।
- मुख्य परीक्षा के स्तर पर प्रथम प्रश्न-पत्र के 250 अंकों में कम-से-कम 120-125 अंकों के प्रश्न भूगोल से पूछे जाते हैं।
- मुख्य परीक्षा के तृतीय प्रश्न-पत्र के 250 अंकों में पर्यावरण, आर्थिक विकास एवं आपदा प्रबंधन से कम-से-कम 100-120 अंकों के प्रश्न पूछे जाते हैं।
- निबंध में भौगोलिक एवं पर्यावरणीय मुद्दे पर आधारित एक निबंध अवश्य ही रहता है।
- इस प्रकार भूगोल को वैकल्पिक विषय के रूप में तैयार करने पर मुख्य परीक्षा में वैकल्पिक विषय के 500 अंक, सामान्य अध्ययन के 240-250 अंक और निबंध के 250 अंक अर्थात् 1000 अंक की तैयारी संभव है।
- भूगोल के पाठ्यक्रम के लगभग 80 प्रतिशत टॉपिक्स का संबंध सामान्य अध्ययन से है। जैसे कि सामान्य अध्ययन में भूगोल के अतिरिक्त पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी, आर्थिक एवं सामाजिक विकास, भारतीय समाज (नगरीकरण, जनसंख्या एवं जनांकिकीय मुद्दे), आपदा प्रबंधन आदि टॉपिक्स का विस्तृत अध्ययन वैकल्पिक विषय को तैयार करते समय करना पड़ता है। केवल भूगोल से संबंधित सिद्धांतों और मानव भूगोल के संदर्श के लिये अलग से प्रयास करने पड़ते हैं क्योंकि इनका संबंध सामान्य अध्ययन से नहीं है; लेकिन यह खण्ड भूगोल का मात्र 15 से 20 प्रतिशत भाग ही होता है।

नोट:- *वैकल्पिक विषय के चयन एवं अध्ययन की रणनीति को लेकर किसी भी प्रकार के संदेह के साथ तैयारी करना असफलता का कारण बन सकता है। इसलिये अपने संदेह को दूर करने के लिये व्यक्तिगत स्तर पर शिक्षक से नि:संकोच मिलें। वैकल्पिक विषय के रूप में भूगोल की उपयोगिता को समझने के लिये पाठ्यक्रम का सूक्ष्म स्तर पर विश्लेषण आवश्यक है।*

- भूगोल संघ लोक सेवा आयोग और राज्य लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में लिये जाने वाले सर्वाधिक लोकप्रिय विषयों में से एक है। इसकी लोकप्रियता के मूल में उच्च सफलता दर और विषय की वैज्ञानिक प्रकृति है।

सामान्य अध्ययन के टॉपिक्स और उनका भूगोल से संबंध

सामान्य अध्ययन (प्रा.) परीक्षा *[General Studies (Preliminary) Examination]*

1. राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्त्व की सामयिक घटनाएँ (Current events of national and international importance)।
2. भारत का इतिहास और भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन (History of India and Indian National Movement)।
3. भारत एवं विश्व का भूगोल : भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक, आर्थिक भूगोल (Indian and World Geography - Physical, Social, Economic Geography of India and the World)।
4. भारतीय राजतंत्र और शासन- संविधान, राजनीतिक प्रणाली, पंचायती राज, लोकनीति, अधिकारों संबंधी मुद्दे इत्यादि (Indian Polity and Governance - Constitution, Political System, Panchayati Raj, Public Policy, Rights Issues etc.)।
5. आर्थिक और सामाजिक विकास- सतत् विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी, सामाजिक क्षेत्र में की गई पहल आदि (Economic and Social Development–Sustainable Development, Poverty, Inclusion, Demographics, Social Sector initiatives etc.)।
6. पर्यावरणीय पारिस्थितिकी, जैव-विविधता और जलवायु परिवर्तन संबंधी सामान्य मुद्दे, जिनके लिये विषयगत विशेषज्ञता आवश्यक नहीं है (General issues on Environmental Ecology, Bio-diversity and Climate Change - that do not require subject specialization)।
7. सामान्य विज्ञान (General Science)।

सामान्य अध्ययन (मुख्य) परीक्षा *[General Studies (Main) Examination]*

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-1: भारतीय विरासत और संस्कृति, विश्व का इतिहास एवं भूगोल और समाज		*GS-Paper 1: Indian Heritage and Culture, History and Geography of the World and Society*	
क्र.सं.	**विषय**	**S.No.**	**Topic**
1.	भारतीय संस्कृति में प्राचीन काल से आधुनिक काल तक के कला के रूप, साहित्य और वास्तुकला के मुख्य पहलू शामिल होंगे।	1.	Indian culture will cover the salient aspects of Art Forms, Literature and Architecture from ancient to modern times.
2.	18वीं सदी के लगभग मध्य से लेकर वर्तमान समय तक का आधुनिक भारतीय इतिहास- महत्त्वपूर्ण घटनाएँ, व्यक्तित्व, विषय।	2.	Modern Indian history from about the middle of the eighteenth century until the present- significant events, personalities, issues.
3.	स्वतंत्रता संग्राम- इसके विभिन्न चरण और देश के विभिन्न भागों से इसमें अपना योगदान देने वाले महत्त्वपूर्ण व्यक्ति/उनका योगदान।	3.	The Freedom Struggle - its various stages and important contributors/contributions from different parts of the country.
4.	स्वतंत्रता के पश्चात् देश के अंदर एकीकरण और पुनर्गठन।	4.	Post-independence consolidation and reorganization within the country.
5.	विश्व के इतिहास में 18वीं सदी तथा बाद की घटनाएँ, यथा औद्योगिक क्रांति, विश्व युद्ध, राष्ट्रीय सीमाओं का पुन:सीमांकन, उपनिवेशवाद, उपनिवेशवाद की समाप्ति, राजनीतिक दर्शन, जैसे साम्यवाद, पूंजीवाद, समाजवाद आदि शामिल होंगे, उनके रूप और समाज पर उनका प्रभाव।	5.	History of the world will include events from 18th century such as Industrial revolution, World wars, re drawing of national boundaries, Colonization, Decolonization, Political philosophies like Communism, Capitalism, Socialism etc.- their forms and effect on the society.
6.	भारतीय समाज की मुख्य विशेषताएँ, भारत की विविधता।	6.	Salient features of Indian Society, Diversity of India.
7.	महिलाओं की भूमिका और महिला संगठन, जनसंख्या एवं संबद्ध मुद्दे, गरीबी और विकासात्मक विषय, शहरीकरण, उनकी समस्याएँ और उनके रक्षोपाय।	7.	Role of women and women's organizations, Population and associated issues, Poverty and developmental issues, Urbanization, their problems and their remedies.
8.	भारतीय समाज पर भूमंडलीकरण का प्रभाव।	8.	Effects of globalization on Indian society.
9.	सामाजिक सशक्तीकरण, संप्रदायवाद, क्षेत्रवाद और धर्मनिरपेक्षता।	9.	Social empowerment, Communalism, Regionalism & Secularism.
10.	विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएँ।	10.	Salient features of world's physical geography.
11.	विश्व भर के मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण (दक्षिण एशिया और भारतीय उपमहाद्वीप को शामिल करते हुए), विश्व (भारत सहित) के विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिये ज़िम्मेदार कारक।	11.	Distribution of key natural resources across the world (including South Asia and the Indian sub-continent); factors responsible for the location of primary, secondary and tertiary sector industries in various parts of the world (including India).
12.	भूकंप, सुनामी, ज्वालामुखीय हलचल, चक्रवात आदि जैसी महत्त्वपूर्ण भू-भौतिकीय घटनाएँ, भौगोलिक विशेषताएँ और उनके स्थान- अति महत्त्वपूर्ण भौगोलिक विशेषताओं (जल-स्रोत और हिमावरण सहित) और वनस्पति एवं प्राणिजगत में परिवर्तन और इस प्रकार के परिवर्तनों के प्रभाव।	12.	Important Geophysical phenomena such as Earthquakes, Tsunami, Volcanic activity, Cyclone etc., geographical features and their location- changes in critical geographical features (including Waterbodies and Ice-caps) and in flora and fauna and the effects of such changes.

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र-3: प्रौद्योगिकी, आर्थिक विकास, जैव-विविधता, पर्यावरण, सुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन		*GS-Paper 3: Technology, Economic Development, Bio-diversity, Environment, Security & Disaster Management*	
क्र.सं.	**विषय**	**S.No.**	**Topic**
1.	भारतीय अर्थव्यवस्था तथा योजना, संसाधनों को जुटाने, प्रगति, विकास तथा रोज़गार से संबंधित विषय।	1.	Indian Economy and issues relating to planning, mobilization of resources, growth, development and employment.
2.	समावेशी विकास तथा इससे उत्पन्न विषय।	2.	Inclusive growth and issues arising from it.
3.	सरकारी बजट।	3.	Government Budgeting.
4.	मुख्य फसलें- देश के विभिन्न भागों में फसलों का पैटर्न, सिंचाई के विभिन्न प्रकार एवं सिंचाई प्रणाली- कृषि उत्पाद का भंडारण, परिवहन तथा विपणन, संबंधित विषय और बाधाएँ; किसानों की सहायता के लिये ई-प्रौद्योगिकी।	4.	Major crops – cropping patterns in various parts of the country, different types of irrigation and irrigation systems – storage, transport and marketing of agricultural product and issues and related constraints; e-technology in the aid of farmers.
5.	प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कृषि सहायता तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य से संबंधित विषय; जन वितरण प्रणाली- उद्देश्य, कार्य, सीमाएँ, सुधार; बफर स्टॉक तथा खाद्य सुरक्षा संबंधी विषय; प्रौद्योगिकी मिशन; पशुपालन संबंधी अर्थशास्त्र।	5.	Issues related to direct and indirect farm subsidies and minimum support prices; Public Distribution System- objectives, functioning, limitations, revamping; issues of buffer stocks and food security; Technology missions; economics of animal-rearing.
6.	भारत में खाद्य प्रसंस्करण एवं संबंधित उद्योग- कार्यक्षेत्र एवं महत्त्व, स्थान, ऊपरी और नीचे की अपेक्षाएँ, आपूर्ति शृंखला प्रबंधन।	6.	Food processing and related industries in India- scope and significance, location, upstream and downstream requirements, supply chain management.
7.	भारत में भूमि सुधार।	7.	Land reforms in India.
8.	उदारीकरण का अर्थव्यवस्था पर प्रभाव, औद्योगिक नीति में परिवर्तन तथा औद्योगिक विकास पर इनका प्रभाव।	8.	Effects of liberalization on the economy, changes in industrial policy and their effects on industrial growth.
9.	बुनियादी ढाँचा: ऊर्जा, बंदरगाह, सड़क, विमानपत्तन, रेलवे आदि।	9.	Infrastructure: Energy, Ports, Roads, Airports, Railways etc.
10.	निवेश मॉडल।	10.	Investment models.
11.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी- विकास एवं अनुप्रयोग और रोज़मर्रा के जीवन पर इसका प्रभाव।	11.	Science and Technology- developments and their applications and effects in everyday life.
12.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारतीयों की उपलब्धियाँ; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।	12.	Achievements of Indians in Science & Technology; indigenization of technology and developing new technology.
13.	सूचना प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, कंप्यूटर, रोबोटिक्स, नैनो-टेक्नोलॉजी, बायो-टेक्नोलॉजी और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित विषयों के संबंध में जागरूकता।	13.	Awareness in the fields of IT, Space, Computers, robotics, nano-technology, bio-technology and issues relating to intellectual property rights.
14.	संरक्षण, पर्यावरण प्रदूषण और क्षरण, पर्यावरण प्रभाव का आकलन।	14.	Conservation, environmental pollution and degradation, environmental impact assessment.
15.	आपदा और आपदा प्रबंधन।	15.	Disaster and disaster management.
16.	विकास और फैलते उग्रवाद के बीच संबंध।	16.	Linkages between development and spread of extremism.
17.	आंतरिक सुरक्षा के लिये चुनौती उत्पन्न करने वाले बाह्य राज्य एवं गैर-राज्य तत्त्वों की भूमिका।	17.	Role of external state and non-state actors in creating challenges to internal security.
18.	संचार नेटवर्क के माध्यम से आंतरिक सुरक्षा को चुनौती, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियों में मीडिया और सामाजिक नेटवर्किंग साइटों की भूमिका, साइबर सुरक्षा की बुनियादी बातें, धन-शोधन और इसे रोकना।	18.	Challenges to internal security through communication networks, role of media and social networking sites in internal security challenges, basics of cyber security; money-laundering and its prevention.
19.	सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियाँ एवं उनका प्रबंधन- संगठित अपराध और आतंकवाद के बीच संबंध।	19.	Security challenges and their management in border areas; –linkages of organized crime with terrorism.
20.	विभिन्न सुरक्षा बल और संस्थाएँ तथा उनके अधिदेश।	20.	Various Security forces and agencies and their mandate.

सामान्य अध्ययन में भूगोल की भूमिका

सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में भूगोल विषय के अन्तर्गत प्रारंभिक परीक्षा के स्तर पर भारत एवं विश्व का प्राकृतिक, सामाजिक एवं आर्थिक भूगोल के टॉपिक्स को तैयार करने का दिशा-निर्देश तो दिया गया है लेकिन पाठ्यक्रम का स्पष्टीकरण नहीं है। इसी प्रकार पर्यावरण व पारिस्थितिकी, जैव-विविधता एवं जलवायु परिवर्तन के पाठ्यक्रम स्पष्ट नहीं हैं। वहीं आर्थिक और सामाजिक विकास, सतत् विकास, गरीबी, समावेशन, जनसांख्यिकी आदि टॉपिक्स का संबंध केवल अर्थशास्त्र से ही नहीं बल्कि पर्यावरण, आर्थिक एवं सामाजिक मुद्दों से भी है। इस प्रकार प्रारंभिक परीक्षा के स्तर पर सामान्य अध्ययन में भूगोल के प्रत्येक खंड का विस्तृत अध्ययन आवश्यक है।

सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में मुख्य परीक्षा के स्तर पर प्रथम प्रश्न-पत्र में भूगोल विषय के अन्तर्गत विश्व के भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएँ, विश्व एवं भारत में मुख्य प्राकृतिक संसाधनों का वितरण, विभिन्न भागों में प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक क्षेत्र के उद्योगों को स्थापित करने के लिये ज़िम्मेदार कारक, भूकंप से संबंधित टॉपिक; द्वितीय प्रश्न-पत्र में सामाजिक मुद्दे एवं तृतीय प्रश्न-पत्र में पर्यावरणीय तथा आर्थिक मुद्दों के साथ आपदा प्रबंधन के टॉपिक्स का विस्तृत अध्ययन करने के लिये पाठ्यक्रम की स्पष्ट जानकारी आवश्यक है। सामान्य अध्ययन की भूमिका प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा के स्तर पर अत्यंत महत्त्वपूर्ण हो जाने के कारण, भूगोल के पाठ्यक्रम का सूक्ष्म स्तर पर विश्लेषण करके सामान्य अध्ययन के दृष्टिकोण से भूगोल की भूमिका को समझा जा सकता है।

भूगोलः पाठ्यक्रम विश्लेषण *(Geography: Syllabus Analysis)*

प्रश्नपत्र-I : भूगोल के सिद्धान्त *(Paper I : Principles of Geography)*

प्राकृतिक भूगोल *(Physical Geography)*

1.	**भूआकृतिक विज्ञानः** भूआकृतिक विकास के नियंत्रक कारक; अंतर्जात एवं बहिर्जात बल; भूपर्पटी का उद्गम एवं विकास; भू-चुंबकत्व के मूल सिद्धांत; पृथ्वी के अंतरंग की प्राकृतिक दशाएँ; भू-अभिनति; महाद्वीपीय विस्थापन; समस्थिति; प्लेट विवर्तनिकी; पर्वत निर्माण के संबंध में अभिनव विचार; ज्वालामुखीयता; भूकंप एवं सुनामी, भूआकृति चक्र एवं दृश्यभूमि विकास की संकल्पनाएँ; अनाच्छादन कालानुक्रम; जलमार्ग आकृति विज्ञान; अपरदन पृष्ठ; प्रवणता विकास; अनुप्रयुक्त भूआकृति विज्ञान; भूजल विज्ञान, आर्थिक भूविज्ञान एवं पर्यावरण।	1.	**Geomorphology:** Factors controlling landform development; endogenetic and exogenetic forces; Origin and evolution of the earth's crust; Fundamentals of geomagnetism; Physical conditions of the earth's interior; Geosynclines; Continental drift; Isostasy; Plate tectonics; Recent views on mountain building; Volcanicity; Earthquakes and Tsunamis; Concepts of geomorphic cycles and Landscape development; Denudation chronology; Channel morphology; Erosion surfaces; Slope development; Applied Geomorphology: Geohydrology, economic geology and environment.

भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताएँ *(Salient Features of Physical Geography)*

- प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा के दृष्टिकोण से इस खण्ड का सर्वाधिक महत्त्व है। भौतिक भूगोल के अन्तर्गत भू-आकृति विज्ञान, जलवायु विज्ञान, समुद्र विज्ञान, जैव भूगोल एवं पर्यावरण भूगोल को सम्मिलित किया जाता है।
- चूँकि, सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताओं का अध्ययन शामिल है, इसलिये सामान्य अध्ययन के दृष्टिकोण से वैकल्पिक विषय के सैद्धांतिक पक्षों का आलोचनात्मक एवं गहन विश्लेषण करने की आवश्यकता नहीं है।
- जैव भूगोल एवं पर्यावरण भूगोल की समझ के बिना सामान्य अध्ययन के पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी तथा मुख्य परीक्षा के तृतीय प्रश्न-पत्र के पर्यावरणीय मुद्दों एवं आर्थिक विकास के टॉपिक्स का विश्लेषण संभव नहीं है।

2.	**जलवायु विज्ञानः** विश्व के ताप एवं दाब कटिबंध; पृथ्वी का तापीय बजट; वायुमंडल परिसंचरण; वायुमंडल स्थिरता एवं अस्थिरता; भूमंडलीय एवं स्थानीय पवन; मानसून एवं जेट प्रवाह; वायु राशि एवं वाताग्रजनन; शीतोष्ण और उष्णकटिबंधीय चक्रवात, वर्षण के वितरण तथा प्रकार, मौसम और जलवायु कोपेन, थॉर्नवेट एवं त्रेवार्था का विश्व जलवायु वर्गीकरण; जलीय चक्र; विश्व जलवायु परिवर्तन एवं जलवायु परिवर्तन में मानव की भूमिका एवं अनुक्रिया; अनुप्रयुक्त जलवायु विज्ञान एवं नगरी जलवायु।	2.	**Climatology:** Temperature and pressure belts of the world; Heat budget of the earth; Atmospheric circulation; atmospheric stability and instability. Planetary and local winds; Monsoons and jet streams; Air masses and frontogenesis, Temperate and tropical cyclones; Types and distribution of precipitation; Weather and Climate; Koppen's, Thornthwaite's and Trewartha's classification of world climates; Hydrological cycle; Global climatic change and role and response of man in climatic changes, Applied climatology and Urban climate.

3.	**समुद्र विज्ञान:** अटलांटिक, हिंद एवं प्रशांत महासागरों की तलीय स्थलाकृति; महासागरों का ताप एवं लवणता; ऊष्मा एवं लवण बजट, महासागरीय निक्षेप; तरंग, धाराएँ एवं ज्वार-भाटा; समुद्री संसाधन; जीवीय, खनिज एवं ऊर्जा संसाधन; प्रवाल भित्तियाँ, प्रवाल विरंजन; समुद्र तल परिवर्तन; समुद्री नियम एवं समुद्री प्रदूषण।	3.	**Oceanography:** Bottom topography of the Atlantic, Indian and Pacific Oceans; Temperature and salinity of the oceans; Heat and salt budgets, Ocean deposits; Waves, current and tides; Marine resources: biotic, mineral and energy resources; Coral reefs, coral bleaching; sea level changes; law of the sea and marine pollution.
4.	**जीव भूगोल:** मृदाओं की उत्पत्ति; मृदाओं का वर्गीकरण एवं वितरण; मृदा परिच्छेदिका; मृदा अपरदन; न्यूनीकरण एवं संरक्षण; पादप एवं जंतुओं के वैश्विक वितरण को प्रभावित करने वाले कारक; वन अपरोपण की समस्याएँ एवं संरक्षण के उपाय; सामाजिक वानिकी; कृषि वानिकी; वन्य जीवन; प्रमुख जीन पूल केन्द्र।	4.	**Biogeography:** Genesis of soils; classification and distribution of soils; Soil profile; Soil erosion, Degradation and conservation; Factors influencing world distribution of plants and animals; Problems of deforestation and conservation measures; Social forestry; agro-forestry; Wild life; Major gene pool centres.
5.	**पर्यावरणीय भूगोल:** पारिस्थितिकी के सिद्धांत; मानव पारिस्थितिक अनुकूलन; पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण पर मानव का प्रभाव; वैश्विक एवं क्षेत्रीय पारिस्थितिकी परिवर्तन एवं असंतुलन; पारितंत्र, उनका प्रबंधन एवं संरक्षण; पर्यावरणीय निम्नीकरण, प्रबंध एवं संरक्षण; जैव-विविधता एवं संपोषणीय विकास; पर्यावरणीय नीति, पर्यावरणीय जोखिम और उपचारी उपाय, पर्यावरणीय शिक्षा एवं विधान।	5.	**Environmental Geography:** Principle of ecology; Human ecological adaptations; Influence of man on ecology and environment; Global and regional ecological changes and imbalances; Ecosystem their management and conservation; Environmental degradation, management and conservation; Biodiversity and sustainable development; Environmental policy; Environmental hazards and remedial measures; Environmental education and legislation.

मानव भूगोल *(Human Geography)*

1.	**मानव भूगोल में संदर्श:** क्षेत्रीय विभेदन; प्रादेशिक संश्लेषण; द्विभाजन एवं द्वैतवाद; पर्यावरणवाद; मात्रात्मक क्रांति एवं अवस्थिति विश्लेषण; उग्रसुधार, व्यावहारिक, मानवीय एवं कल्याण उपागम; भाषाएँ, धर्म एवं धर्मनिरपेक्षता; विश्व के सांस्कृतिक प्रदेश; मानव विकास सूचकांक	1.	**Perspectives in Human Geography:** Areal differentiation; regional synthesis; Dichotomy and dualism; Environmentalism; Quantitative revolution and locational analysis; radical, behavioural, human and welfare approaches; Languages, religions and secularism; Cultural regions of the world; Human development index.

मानव भूगोल में संदर्श *(Perspectives in Human Geography)*

सही मायने में वैकल्पिक विषय के रूप में भूगोल का अध्ययन 'मानव भूगोल में संदर्श' टॉपिक से प्रारंभ करना चाहिये, क्योंकि इसके अंतर्गत भूगोलवेत्ताओं के द्वारा दिये गए विचारों की सहायता से विषय की सही प्रकृति का ज्ञान होगा, जो भौगोलिक दृष्टिकोण से पाठ्यक्रम के विश्लेषण के लिये आवश्यक भी है।

वैकल्पिक विषय के इस खण्ड में मानव भूगोल में संदर्श, मॉडल सिद्धांत एवं नियम तथा प्रादेशिक आयोजन का संबंध सामान्य अध्ययन से नहीं है, जबकि अन्य टॉपिक्स सामान्य अध्ययन के लिये न केवल भूगोल बल्कि भारतीय समाज और आर्थिक एवं सामाजिक विकास की दृष्टि से भी महत्त्वपूर्ण हैं।

2.	**आर्थिक भूगोल:** विश्व आर्थिक विकास: माप एवं समस्याएँ; विश्व संसाधन एवं उनका वितरण; ऊर्जा संकट; संवृद्धि की सीमाएँ; विश्व कृषि: कृषि प्रदेशों की प्रारूपता; कृषि निवेश एवं उत्पादकता; खाद्य एवं पोषण समस्याएँ; खाद्य सुरक्षा; दुर्भिक्ष: कारण, प्रभाव एवं उपचार; विश्व उद्योग, अवस्थानिक प्रतिरूप एवं समस्याएँ; विश्व व्यापार के प्रतिमान।	2.	**Economic Geography:** World economic development: measurement and problems; World resources and their distribution; Energy crisis; the limits to growth; World agriculture: typology of agricultural regions; agricultural inputs and productivity; Food and nutrition problems; Food security; famine: causes, effects and remedies; World industries: locational patterns and problems; patterns of world trades.

3.	**जनसंख्या एवं बस्ती भूगोल:** विश्व जनसंख्या की वृद्धि और वितरण; जनसांख्यिकी गुण; प्रवासन के कारण एवं परिणाम; अतिरेक-अल्प एवं अनुकूलतम जनसंख्या की संकल्पनाएँ; जनसंख्या के सिद्धांत; विश्व की जनसंख्या समस्याएँ और नीतियाँ; सामाजिक कल्याण एवं जीवन गुणवत्ता; सामाजिक पूंजी के रूप में जनसंख्या; ग्रामीण बस्तियों के प्रकार एवं प्रतिरूप; ग्रामीण बस्तियों में पर्यावरणीय मुद्दे; नगरीय बस्तियों का पदानुक्रम; नगरीय आकारिकी; प्रमुख शहर एवं श्रेणी आकार प्रणाली की संकल्पना; नगरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; नगरीय प्रभाव क्षेत्र; ग्राम-नगर उपांत; अनुषंगी नगर; नगरीकरण की समस्याएँ एवं समाधान; नगरों का संपोषणीय विकास।	3.	**Population and Settlement Geography:** World Population Growth and Distribution; demographic attributes; Causes and consequences of migration; concepts of over-under-and optimum population; Population theories, world population problems and policies, Social well-being and quality of life; Population as social capital. Types and patterns of rural settlements; Environmental issues in rural settlements; Hierarchy of urban settlements; Urban morphology: Concepts of primate city and rank-size rule; Functional classification of towns; Sphere of urban influence; Rural-urban fringe; Satellite town; Problems and remedies of urbanization; Sustainable development of cities.
4.	**प्रादेशिक आयोजन:** प्रदेश की संकल्पना; प्रदेशों के प्रकार एवं प्रादेशीकरण की विधियाँ; वृद्धि केन्द्र तथा वृद्धि ध्रुव; प्रादेशिक असंतुलन; प्रादेशिक विकास कार्यनीतियाँ; प्रादेशिक आयोजन में पर्यावरणीय मुद्दे; संपोषणीय विकास के लिये आयोजन।	4.	**Regional Planning:** Concept of a region; Types of regions and methods of regionalization; growth centres and growth poles; Regional imbalances; regional development strategies; environmental issues in regional planning; planning for sustainable development.
5.	**मानव भूगोल में मॉडल, सिद्धान्त एवं नियम:** मानव भूगोल में तंत्र विश्लेषण; माल्थस का, मार्क्स का और जनसांख्यिकीय संक्रमण मॉडल; क्रिस्टॉलर एवं लॉश का केन्द्रीय स्थल सिद्धान्त; पेरॉक्स और बॉडीविले; वॉन थ्यूनेन का कृषि अवस्थिति मॉडल; वेबर का औद्योगिक अवस्थिति मॉडल; ओस्तोव का वृद्धि अवस्था मॉडल; अंत:भूमि एवं बहि:भूमि सिद्धान्त; अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ एवं सीमांत क्षेत्र के नियम।	5.	**Models, Theories and Laws in Human Geography:** System analysis in Human Geography; Malthusian, Marxian and demographic transition models; Central Place theories of Christaller and Losch; Perroux and Boudeville; Agricultural location model of Von Thunen; Weber's model of industrial location; Rostov's model of stages of growth. Heartland and Rimland theories; Laws of international boundaries and frontiers.

प्रश्नपत्र-II : भारत का भूगोल *(Paper II : Geography of India)*

1.	**भौतिक विन्यास:** पड़ोसी देशों के साथ भारत का अंतरिक्ष संबंध; संरचना एवं उच्चावच; अपवाह तंत्र एवं जल विभाजक; भू-आकृतिक प्रदेश; भारतीय मानसून एवं वर्षा प्रतिरूप, उष्णकटिबंधीय चक्रवात एवं पश्चिमी विक्षोभ की क्रियाविधि; बाढ़ एवं अनावृष्टि; जलवायवीय प्रदेश; प्राकृतिक वनस्पति; मृदा प्रकार एवं उनका वितरण।	1.	**Physical Setting:** Space relationship of India with neighboring countries; Structure and relief; Drainage system and watersheds; Physiographic regions; Mechanism of Indian monsoons and rainfall patterns, Tropical cyclones and western disturbances; Floods and droughts; Climatic regions; Natural vegetation; Soil types and their distributions.

भारत का भूगोल *(Geography of India)*

- सामान्य अध्ययन के दृष्टिकोण से भारत का भूगोल अत्यंत ही महत्त्वपूर्ण खण्ड है जिसका संबंध प्रारम्भिक परीक्षा की अपेक्षा मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम से अधिक है।
- **भारत: भौतिक विन्यास-** भौतिक भूगोल की मुख्य विशेषताओं का अध्ययन भारत के परिप्रेक्ष्य में करना है। इस टॉपिक की सहायता से ही आपदा प्रबंधन एवं भारत के पर्यावरणीय मुद्दों पर समझ को विकसित किया जा सकता है।

2.	**संसाधन:** भूमि, सतह एवं भौमजल, ऊर्जा, खनिज, जीवीय एवं समुद्री संसाधन; वन एवं वन्य जीव संसाधन एवं उनका संरक्षण; ऊर्जा संकट।	2.	**Resources:** Land, surface and ground water, energy, minerals, biotic and marine resources; Forest and wild life resources and their conservation; Energy crisis.

3.	**कृषि:** अवसंरचना, सिंचाई, बीज, उर्वरक, विद्युत; संस्थागत कारक: जोत, भू-धारण एवं भूमि सुधार; शस्यन प्रतिरूप, कृषि उत्पादकता, कृषि प्रकर्ष, फसल संयोजन, भूमि क्षमता; कृषि एवं सामाजिक वानिकी; हरित क्रान्ति एवं इसकी सामाजिक आर्थिक एवं पारिस्थितिक विवक्षा; शुष्क खेती का महत्त्व; पशुधन संसाधन एवं श्वेत क्रान्ति; जल कृषि, रेशम कीटपालन, मधुमक्खी पालन एवं कुक्कुट पालन; कृषि प्रादेशीकरण; कृषि जलवायवीय क्षेत्र; कृषि पारिस्थितिक प्रदेश।	3.	**Agriculture:** Infrastructure, irrigation, seeds, fertilizers, power; Institutional factors: Ploughing, land holdings, land tenure and land reforms; Cropping pattern, agricultural productivity, agricultural intensity, crop combination, land capability; Agro and social forestry; Green revolution and its socio-economic and ecological implications; Significance of dry farming; Livestock resources and white revolution, aquaculture, sericulture, apiculture and poultry; agricultural regionalisation; agroclimatic zones; agro-ecological regions.
4.	**उद्योग:** उद्योगों का विकास; कपास, जूट, वस्त्रोद्योग, लौह एवं इस्पात, एल्युमिनियम, उर्वरक, कागज, रसायन एवं फार्मास्युटिकल ऑटोमोबाइल, कुटीर एवं कृषि आधारित उद्योगों के अवस्थिति कारक; सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित औद्योगिक संकुल; औद्योगिक प्रादेशीकरण; नई औद्योगिक नीति; बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ एवं उदारीकरण; विशेष आर्थिक क्षेत्र; पारिस्थितिक-पर्यटन समेत पर्यटन।	4.	**Industry:** Evolution of industries; Locational factors of cotton, jute, textile, iron and steel, aluminium, fertilizer, paper, chemical and pharmaceutical, automobile, cottage and agro-based industries; industrial house and complexes including public sector undertaking; Industrial regionalisation; New industrial policies; Multinationals and liberalization; Special Economic zones; Tourism including eco-tourism.
5.	**परिवहन, संचार एवं व्यापार:** सड़क, रेलमार्ग, जलमार्ग, हवाई मार्ग एवं पाइपलाइन नेटवर्क एवं प्रादेशिक विकास में उनकी पूरक भूमिका; राष्ट्रीय एवं विदेशी व्यापार वाले पत्तनों का बढ़ता महत्त्व; व्यापार संतुलन; व्यापार नीति; निर्यात प्रक्रमण क्षेत्र; संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी में आया विकास और अर्थव्यवस्था तथा समाज पर उनका प्रभाव; भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम।	5.	**Transport, Communication and Trade:** Road, railway, waterway, airway and pipeline networks and their complementary roles is regional development; Growing importance of ports on national and foreign trade; Trade balance; Trade Policy; Export processing zones; Developments in communication and information technology and their impacts on economy and society; Indian space programme.
6.	**सांस्कृतिक विन्यास:** भारतीय समाज का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य; प्रजातीय, भाषिक एवं नृजातीय विविधताएँ; धार्मिक अल्पसंख्यक; प्रमुख जनजातियाँ, जनजातीय क्षेत्र तथा उनकी समस्याएँ; सांस्कृतिक प्रदेश; जनसंख्या की संवृद्धि, वितरण एवं घनत्व; जनसांख्यिकीय गुण; लिंग अनुपात, आयु संरचना, साक्षरता दर, कार्यबल, निर्भरता अनुपात, आयुकाल; प्रवासन (अंत: प्रादेशिक, प्रदेशांतर तथा अंतर्राष्ट्रीय) एवं इससे जुड़ी समस्याएँ, जनसंख्या समस्याएँ एवं नीतियाँ; स्वास्थ्य सूचक।	6.	**Cultural Setting:** Historical Perspective of Indian Society; Racial, linguistic and ethnic diversities; religious minorities; major tribes, tribal areas and their problems; cultural regions; Growth, distribution and density of population; Demographic attributes; sex-ratio, age structure, literacy rate, work-force, dependency ratio, longevity; migration (inter-regional, intra-regional and international) and associated problems; Population problems and policies; Health indicators.
7.	**बस्ती:** ग्रामीण बस्ती के प्रकार, प्रतिरूप तथा आकारिकी; नगरीय विकास; भारतीय शहरों की आकारिकी; भारतीय शहरों का प्रकार्यात्मक वर्गीकरण; सन्नगर एवं महानगरीय प्रदेश; नगर स्वप्रसार; गंदी बस्ती एवं उससे जुड़ी समस्याएँ; नगर आयोजना; नगरीकरण की समस्याएँ एवं उपचार।	7.	**Settlements:** Types, patterns and morphology of rural settlements; Urban developments; Morphology of Indian cities; Functional classification of Indian cities: Conurbations and metropolitan regions; urban sprawl; Slums and associated problems; town planning; problems of urbanization and remedies.
8.	**प्रादेशिक विकास एवं आयोजन:** भारत में प्रादेशिक आयोजन का अनुभव; पंचवर्षीय योजनाएँ; समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम; पंचायती राज़ एवं विकेंद्रीकृत आयोजन; कमान क्षेत्र विकास; जल विभाजक प्रबंध; पिछड़ा क्षेत्र, मरुस्थल, अनावृष्टि, पहाड़ी, जनजातीय क्षेत्र विकास के लिये आयोजना; बहुस्तरीय योजना; प्रादेशिक योजना एवं द्वीप क्षेत्रों का विकास।	8.	**Regional Development and Planning:** Experience of regional planning in India; Five Year Plans; Integrated rural development programmes; Panchayati Raj and decentralised planning; Command area development; watershed management; Backward area, Deserts, drought, Planning for development of hilly, tribal area, multi-level planning; Regional planning and development of island territories.

9.	**राजनीतिक परिप्रेक्ष्य:** भारतीय संघवाद का भौगोलिक आधार; राज्य पुनर्गठन; नए राज्यों का आविर्भाव; प्रादेशिक चेतना एवं अंतर्राज्यीय मुद्दे; भारत की अंतर्राष्ट्रीय सीमा और संबंधित मुद्दे; सीमापार आतंकवाद; वैश्विक मामलों में भारत की भूमिका; दक्षिण एशिया एवं हिन्द महासागर परिमंडल की भू-राजनीति।	9.	**Political Aspects:** Geographical basis of Indian federalism; State reorganisation; Emergence of new states; Regional consciousness and inter state issues; international boundary of India and related issues; Cross border terrorism; India's role in world affairs; Geopolitics of South Asia and Indian Ocean realm.
10.	**समकालीन मुद्दे:** पारिस्थितिक मुद्दे: पर्यावरणीय संकट: भू-स्खलन, भूकंप, सुनामी, बाढ़ एवं अनावृष्टि, महामारी; पर्यावरणीय प्रदूषण से संबंधित मुद्दे; भूमि उपयोग के प्रतिरूप में बदलाव; पर्यावरणीय प्रभाव आकलन एवं प्रबंधन के सिद्धान्त; जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा; पर्यावरणीय निम्नीकरण, वनोन्मूलन, मरुस्थलीकरण एवं मृदा अपरदन; कृषि एवं औद्योगिक अशांति की समस्याएँ; आर्थिक विकास में प्रादेशिक असमानताएँ; संपोषणीय वृद्धि एवं विकास की संकल्पना; पर्यावरणीय संचेतना; नदियों की सहलग्नता; भूमंडलीकरण एवं भारतीय अर्थव्यवस्था।	10.	**Contemporary Issues:** Ecological issues; Environmental hazards: Landslides, earthquakes, Tsunamis, floods and droughts, epidemics; Issues relating to environmental pollution; Changes in patterns of land use; Principles of environmental impact assessment and environmental management; Population explosion and food security; Environmental degradation; Deforestation, desertification and soil erosion; Problems of agrarian and industrial unrest; Regional disparities in economic development; concept of sustainable growth and development, environmental awareness; Linkage of rivers; Globalization and Indian economy.

टिप्पणी: ***अभ्यर्थियों को इस प्रश्न-पत्र में दिये गए विषयों से संगत एक मानचित्र-आधारित प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा।***

Note: ***Candidates will be required to answer one compulsory map question pertinent to subject covered by this paper.***

संसाधन, कृषि, उद्योग, परिवहन, संचार एवं व्यापार

सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में इसका संबंध आर्थिक भूगोल से है जबकि तृतीय प्रश्न-पत्र में आर्थिक विकास से है।

संसाधन, कृषि, अधिवास भूगोल

भूगोल के द्वितीय प्रश्न-पत्र में संसाधन और कृषि दोनों से कम-से-कम एक-एक प्रश्न आता है। इसलिये मुख्य परीक्षा की दृष्टि से यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण टॉपिक है। सामान्य अध्ययन के तृतीय प्रश्न-पत्र की दृष्टि से भी यह अत्यंत ही महत्त्वपूर्ण टॉपिक है। इसलिये इसे वैकल्पिक विषय के पाठ्यक्रम के साथ सामान्य अध्ययन से अंतर्संबंधित करके तैयार करना आवश्यक है। अधिवास भूगोल के टॉपिक्स प्रथम प्रश्न-पत्र में भी हैं। प्रथम प्रश्न-पत्र का अध्ययन वैश्विक परिप्रेक्ष्य में जबकि द्वितीय प्रश्न-पत्र का अध्ययन भारत के परिप्रेक्ष्य में किया जाता है। इस खण्ड से भी प्रत्येक वर्ष दोनों ही प्रश्न-पत्रों में एक-एक प्रश्न आता है।

आधारभूत संरचना, प्रादेशिक विकास एवं नियोजन

पर्यावरण, संसाधन, कृषि और अधिवास भूगोल के टॉपिक्स को तैयार करने के बाद परिवहन, व्यापार, संचार, प्रादेशिक विकास और नियोजन के टॉपिक्स को तैयार करना एक सही रणनीति है। इन टॉपिक्स के अंतर्गत पर्यावरण, आर्थिक एवं सामाजिक विकास से संबंधित रणनीतियों, योजनाओं एवं कार्यक्रमों का अध्ययन किया जाता है। मुख्य परीक्षा देने के पहले इन टॉपिक्स पर विशेष ध्यान देना पड़ता है। इसके बिना द्वितीय प्रश्न-पत्र के किसी भी प्रश्न के उत्तर के निष्कर्ष को लिखना संभव नहीं है। इसलिये मुख्य परीक्षा की दृष्टि से इसकी अत्यंत महत्त्वपूर्ण भूमिका है। सामान्य अध्ययन के दृष्टिकोण से भी यह महत्त्वपूर्ण टॉपिक है क्योंकि इसका संबंध आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय विकास से संबंधित कार्यक्रमों एवं योजनाओं से है।

सांस्कृतिक विन्यास एवं बस्ती

सामान्य अध्ययन के प्रश्न-पत्र में इसका संबंध सामाजिक भूगोल और भारतीय समाज से है।

राजनीतिक परिप्रेक्ष्य

- वैकल्पिक विषय के पाठ्यक्रम में इसे राजनीतिक भूगोल की जगह राजनीतिक परिप्रेक्ष्य इसलिये लिखा गया है क्योंकि इसके टॉपिक्स का विश्लेषण राजनीतिक दृष्टिकोण से करना है; इसलिये सामान्य अध्ययन के द्वितीय प्रश्न-पत्र को तैयार करने के बाद केवल दो टॉपिक्स- भारतीय संघवाद का भौगोलिक आधार और हिन्द महासागर की भू-राजनीति को अलग से तैयार करने की आवश्यकता पड़ेगी।

समकालीन मुद्दे

- भूगोल के पाठ्यक्रम से संबंधित आर्थिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों, जिनका वर्तमान समय में भारत के परिप्रेक्ष्य में अत्यधिक महत्त्व है, को समकालीन मुद्दों में शामिल किया गया है।

भूगोल के पाठ्यक्रम में किये गए संशोधन के लिये रणनीति

- **भूगोल में मानचित्र पर आधारित अध्ययन का विशेष महत्त्व:** यद्यपि मानचित्र पर आधारित अध्ययन का कोई स्पष्ट पाठ्यक्रम नहीं है लेकिन इसके कारण ही भूगोल अत्यधिक अंकदायी विषय भी बन गया है। अत: नियमित अभ्यास के द्वारा इस टॉपिक पर अपनी पकड़ बनाकर मुख्य परीक्षा में अधिक-से-अधिक अंक लाए जा सकते हैं। साथ ही विषय के अन्य टॉपिक्स के साथ मानचित्र अध्ययन के द्वारा अवस्थितियों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जा सकती है। मानचित्र की सहायता से भारत का प्रादेशिक अध्ययन करना एक वैज्ञानिक तकनीक है। सामान्य अध्ययन के संशोधित पाठ्यक्रम में भारत के प्रादेशिक अध्ययन का महत्त्व भी अधिक हो गया है।
- **सैद्धांतिक एवं तथ्यात्मक पक्षों की अपेक्षा पर्यावरणीय, व्यावहारिक एवं समकालीन पक्ष को अधिक महत्त्व:** संशोधित पाठ्यक्रम में भूगोल के लगभग सभी टॉपिक्स में पर्यावरणीय, व्यावहारिक पक्ष एवं समकालीन मुद्दों के टॉपिक्स को महत्त्व दिया गया है जिससे यह स्पष्ट होता है कि अब इस विषय में मानव व पर्यावरण के अंतर्संबंध पर आधारित अध्ययन का सर्वाधिक महत्त्व हो गया है। समकालिक मुद्दों पर आधारित टॉपिक्स को सम्मिलित किये जाने के कारण द्वितीय प्रश्न-पत्र, वैकल्पिक विषय के साथ-साथ सामान्य अध्ययन के लिये भी अधिक महत्त्वपूर्ण हो गया है। अत: भूगोल के द्वितीय प्रश्न-पत्र से संबंधित भौगोलिक, पर्यावरणीय, आर्थिक और सामाजिक मुद्दे सामान्य अध्ययन की तैयारी के दृष्टिकोण से अत्यधिक महत्त्वपूर्ण हो गए हैं।
- **विस्तृत पाठ्यक्रम का अंतर्संबंधित विश्लेषण आवश्यक:** यद्यपि भूगोल का संशोधित पाठ्यक्रम विस्तृत नज़र आता है लेकिन वास्तव में इस विषय के भौतिक, आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय पक्षों को स्पष्ट करने के लिये इसका विस्तृत वर्गीकरण किया गया है। अत: भूगोल के टॉपिक्स को अंतर्संबंधित करने पर पाठ्यक्रम अत्यंत वैज्ञानिक, विश्लेषणात्मक एवं छोटा हो जाता है। जैसे- सुनामी टॉपिक को भू-आकृति विज्ञान, पर्यावरण भूगोल, समकालिक मुद्दों से जोड़ा गया है क्योंकि इसका संबंध भौतिक, पर्यावरणीय, आर्थिक एवं सामाजिक परिवर्तन से है।
- **प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न-पत्र के टॉपिक्स का अंतर्संबंध:** पाठ्यक्रम का विश्लेषण करने से यह भी स्पष्ट हो जाता है कि प्रथम एवं द्वितीय प्रश्न-पत्र के टॉपिक्स अंतर्संबंधित हैं। अत: इन दोनों प्रश्न-पत्रों के अंतर्संबंधित अध्ययन से ही भौगोलिक संकल्पना का विकास सम्भव है। यहाँ तक कि विगत वर्षों के प्रश्न-पत्रों में पूछे गए प्रश्नों के प्रारूप भी अध्ययन की इस रणनीति को महत्त्वपूर्ण बना देते हैं।
- **प्रथम प्रश्न-पत्र में भौतिक एवं मानव भूगोल के दो खण्ड जबकि द्वितीय प्रश्न-पत्र में ऐसा कोई खण्ड नहीं:** जहाँ पाठ्यक्रम में संशोधन के पूर्व द्वितीय प्रश्न-पत्र को दो खण्डों में बाँटा गया था, वहीं अब इस प्रश्न-पत्र का कोई खण्ड नहीं बल्कि इसमें 10 टॉपिक्स हैं जिससे यह स्पष्ट होता है कि भारत के भौगोलिक अध्ययन से संबंधित सभी टॉपिक्स अंतर्संबंधित हैं। वास्तव में द्वितीय प्रश्न-पत्र के पाठ्यक्रम में भारत के भौतिक संसाधन, कृषि, औद्योगिक, सांस्कृतिक, अधिवासीय, परिवहन संबंधी, व्यापारिक, राजनीतिक, प्रादेशिक एवं समकालिक अध्ययन को महत्त्व दिया गया है जो भौगोलिक अध्ययन के सभी पक्षों को स्पष्ट भी करता है। इस प्रश्न-पत्र की समग्रता के साथ तैयारी के लिये भौगोलिक मुद्दों की समझ विकसित करने के साथ-साथ भारत का प्रादेशिक अध्ययन भी आवश्यक है।

मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिये रणनीति

- **मौलिक संकल्पना का विकास आवश्यक:** सर्वप्रथम प्रत्येक टॉपिक से संबंधित मौलिक संकल्पना को विकसित करना आवश्यक है क्योंकि तथ्यात्मक अध्ययन के द्वारा इस विषय के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तैयार करना तथा परीक्षा में अंक प्राप्त करना कठिन है।
- **विषय के अंतर्संबंधित अध्ययन के लिये सर्वप्रथम टिप्पणी लेखन अभ्यास आवश्यक:** मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम के प्रत्येक टॉपिक के सभी पक्षों पर टिप्पणी तैयार करना आवश्यक है जिससे न केवल भूगोल का विस्तृत पाठ्यक्रम तैयार होगा, बल्कि विषय का अंतर्संबंधित विश्लेषण भी संभव हो सकेगा।
- **राज्य स्तरीय मुख्य परीक्षा में दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की तैयारी के लिये पाठ्यक्रम का साठ प्रतिशत अध्ययन पर्याप्त:** दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों की तैयारी के लिये सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का गहन अध्ययन आवश्यक नहीं है; टिप्पणी लेखन के स्तर तक पाठ्यक्रम की समझ विकसित करने के बाद पाठ्यक्रम का 60 से 70 प्रतिशत अध्ययन भी पर्याप्त है, जिसके अंतर्गत सर्वप्रथम सीधे एवं वर्णनात्मक प्रश्नों को तैयार करना चाहिये। उसके बाद ही आलोचनात्मक, विश्लेषणात्मक एवं एक से अधिक टॉपिक पर आधारित प्रश्नों को तैयार करना आसान होगा।
- **सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर पकड़ बनाने के लिये प्रत्येक टॉपिक का संक्षेपण आवश्यक:** पाठ्यक्रम के सभी महत्त्वपूर्ण टॉपिक्स पर संक्षेपण (Synopsis) तैयार करने के बाद आवश्यकतानुसार समकालिक मुद्दों से भी जोड़ने का प्रयास करना चाहिये जिसके लिये समाचार-पत्रों, 'योजना', 'कुरुक्षेत्र' एवं 'भूगोल और आप' जैसी पत्रिकाओं की सहायता लेनी चाहिये। ऐसा करने से न केवल पाठ्यक्रम से सदैव एक जुड़ाव बना रहेगा बल्कि उत्तर की गुणवत्ता में भी सुधार होता रहेगा।
- **भारत के मानचित्र के अध्ययन के लिये पाठ्यक्रम के साथ अंतर्संबंध स्थापित करना आवश्यक:** भारत के मानचित्र पर आधारित अनिवार्य प्रश्न की तैयारी के लिये कोई अलग रणनीति बनाने की जगह द्वितीय प्रश्न-पत्र के प्रत्येक टॉपिक का अध्ययन करते समय सर्वप्रथम उससे संबंधित अवस्थितियों को तैयार करना चाहिये। इससे न केवल भारत के मानचित्र की तैयारी होगी बल्कि प्रत्येक टॉपिक के तथ्यात्मक पक्षों पर भी पकड़ बनाना आसान होगा।

कक्षा कार्यक्रम की विशेषताएँ

- हमारे यहाँ भूगोल के लिये सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का कक्षा कार्यक्रम पूर्व में पूछे गए प्रश्नों के गहन विश्लेषण के पश्चात् अत्यंत सतर्कता के साथ वैज्ञानिक ढंग से डिज़ाइन किया गया है। इससे उन विद्यार्थियों को भी भूगोल के अध्ययन में आसानी से दक्षता हासिल हो जाती है जिनका इस विषय से कभी कोई संबंध नहीं रहा है।
- हमारे यहाँ सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की योजना इस प्रकार से बनाई गई है जिससे कि विषय को अंतर्संबंधित करने की क्षमता विकसित कर कोई भी विद्यार्थी (चाहे वह मानविकी पृष्ठभूमि का हो या विज्ञान पृष्ठभूमि का) पाठ्यक्रम को छोटा करके आसानी से तैयार कर सकता है।
- भूगोल को चार खण्डों में विभाजित कर वैज्ञानिक ढंग से पाठ्यक्रम का सूक्ष्म स्तर पर विश्लेषण कराया जाता है। भूगोल के चारों खण्डों में से केवल सैद्धांतिक खण्ड का ही सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम से संबंध नहीं है; अन्य तीन खण्ड सामान्य अध्ययन के पाठ्यक्रम में न केवल शामिल हैं बल्कि अधिक महत्त्वपूर्ण भी हैं। इसलिये सामान्य अध्ययन की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए टॉपिक्स का विश्लेषण किया जाता है।
- जहाँ एक तरफ वैज्ञानिक विषय होने के कारण यह अधिक अंकदायी एवं अर्थपूर्ण है, वहीं दूसरी ओर विशिष्ट विषय नहीं होने के कारण सामान्य छात्रों के लिये भी इसे तैयार करना आसान है।
- इस कार्यक्रम से विद्यार्थियों की केवल भूगोल की तैयारी ही नहीं पूरी होगी बल्कि सिविल सेवा की संतुलित तैयारी को भी दिशा मिलेगी।

भूगोल के विभिन्न खंडों की कक्षाओं की संख्या

- भौतिक भूगोल – 45 कक्षाएँ
- भारत का क्षेत्रीय अध्ययन – 25 कक्षाएँ
- टैस्ट एवं डिस्कशन – महीने में दो बार
- भूगोल के सैद्धांतिक पक्ष – 25 कक्षाएँ
- भौगोलिक मुद्दों पर आधारित अध्ययन – 45 कक्षाएँ

CHAT NOW
1800-121-6260 011-47532596 Login Register
दृष्टि The Vision
एन.सी.ई.आर.टी. टेस्ट | कक्षा कार्यक्रम | डिस्टेंस लर्निंग प्रोग्राम | टेस्ट सीरीज़ | करेंट अफेयर्स | दृष्टि मीडिया

तैयारी का वह हिस्सा जो किताबों से पूरा नहीं हो सकता, उसके लिये हम आपको आमंत्रित करते हैं

अपनी लोकप्रिय वेबसाइट पर

www.drishtiias.com/hindi

तैयारी की रणनीति | मेंस प्रैक्टिस प्रश्न | पी.सी.एस. परीक्षा की तैयारी | डेली न्यूज़ और एडिटोरियल (अंग्रेज़ी के प्रमुख समाचार पत्रों से)
राज्यसभा/लोकसभा टी.वी. डिबेट | पी.आर.एस. कैप्सूल्स | माइंड मैप | 60 Steps to Prelims
टू द पॉइंट | फोरम | एन.सी.ई.आर.टी. टेस्ट | महत्त्वपूर्ण रिपोर्ट्स की जिस्ट
डेली करेंट टेस्ट [योजना, कुरुक्षेत्र सहित अन्य महत्त्वपूर्ण पत्रिकाओं के टेस्ट] | ब्लॉग | यू-ट्यूब चैनल

रोज़ाना एक घंटा इस वेबसाइट पर गुज़ारिये और प्रिलिम्स से इंटरव्यू तक की अपनी तैयारी को मज़बूत आधार प्रदान कीजिये।

For any query please contact: 87501 87501, 011-47532596

Classes at Drishti

Drishti Notes Counter

Drishti Counselling Team

Drishti Research Team

Think IAS...

दृष्टि The Vision

Think Drishti

दृष्टि पब्लिकेशन्स की प्रमुख पुस्तकें

641, Ist Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9 Ph.: 87501 87501, 011-47532596

E-mail: online@groupdrishti.com, *Website: www.drishtiias.com

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (Distance Learning Programme)

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आप घर बैठे 'दृष्टि' द्वारा तैयार परीक्षोपयोगी पाठ्य-सामग्री मंगवा सकते हैं। यह पाठ्य-सामग्री विशेष रूप से ऐसे अभ्यर्थियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है जो दिल्ली आकर कक्षाएँ करने में असमर्थ हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सिविल सेवा और राज्य सेवा (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड पी.सी.एस.) परीक्षाओं की पाठ्य-सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। यह पाठ्य-सामग्री प्रत्येक परीक्षा के नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुरूप है और इसे विभिन्न समसामयिक घटनाओं, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं एवं समितियों की रिपोर्टों के माध्यम से अद्यतन (**up-to-date**) किया गया है।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा के लिये (हिंदी माध्यम में)

- **सामान्य अध्ययन** (प्रारंभिक परीक्षा) (19 बुकलेट्स) ₹10,000/-
- **सामान्य अध्ययन** (मुख्य परीक्षा) (26 बुकलेट्स) ₹13,000/-
- **सामान्य अध्ययन + सीसैट** (प्रारंभिक परीक्षा) (27 बुकलेट्स) ₹13,000/-
- **सामान्य अध्ययन** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (31 बुकलेट्स) ₹15,000/-
- **सामान्य अध्ययन + सीसैट** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (39 बुकलेट्स) ₹17,500/-
- **हिन्दी साहित्य** (वैकल्पिक विषय) ₹7,000/-
- **इतिहास** (वैकल्पिक विषय) ₹7,000/-
- **दर्शन शास्त्र** (वैकल्पिक विषय) ₹5,000/-

For UPSC CSE (in English Medium)

Self Learning Modules

Students may opt for following modules

- Prelims (18 GS + 3 CSAT Booklets) ₹10000/-
- Mains (18 GS Booklets) ₹11000/-
- Prelims + Mains (36 GS + 3 CSAT Booklets) ₹15000/-

Offer

- *Free 6 months subscription of Drishti Current Affairs Today magazine with every module*
- *Free Test Series worth ₹ 6,000 for UPSC CSE Prelims 2019 with Prelims+Mains module*
- *Flat 50% discount on Test Series worth ₹ 6,000 for UPSC CSE Prelims 2019 with Prelims/Mains modules*

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (UPPCS) के लिये

- **सामान्य अध्ययन + सीसैट** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (33 + 10 Booklets) (₹15,500/-)
- **सामान्य अध्ययन** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (33 Booklets) (₹14,000/-)

राजस्थान पी.सी.एस. (RAS/RTS) के लिये

- **सामान्य अध्ययन** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (34 बुकलेट्स) ₹10,500/-

बिहार पी.सी.एस. (BPSC) के लिये

- **सामान्य अध्ययन** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (25 बुकलेट्स) ₹10,000/-

मध्य प्रदेश पी.सी.एस. (MPPCS) के लिये

- **सामान्य अध्ययन + सीसैट** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (28 + 8 Booklets) (₹11,000/-)
- **सामान्य अध्ययन** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (28 Booklets) (₹10,000/-)

उत्तराखंड पी.सी.एस. (UKPSC) के लिये

- **सामान्य अध्ययन + सीसैट** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (28 + 8 Booklets) (₹11,000/-)
- **सामान्य अध्ययन** (प्रा.+ मुख्य परीक्षा) (28 Booklets) (₹10,000/-)

For UPPCS Mains (in English Medium)

Self Learning Module

19 GS + 1 Essay + 1 Compulsory Hindi Booklets ₹7000/-

Offer

Free 6 months subscription of Drishti Current Affairs

विस्तृत जानकारी के लिये कॉल करें 8448485520, 87501-87501, 011-47532596

पिछले डेढ़ दशक से लगातार हिन्दी माध्यम का सर्वश्रेष्ठ परिणाम

दृष्टि The Vision

किरण कौशल	अजय मिश्रा	लोकेश कुमार सिंह	प्रदीप राजपुरोहित	निशांत जैन	गंगा सिंह	प्रदीप कु. द्विवेदी
3rd Rank	5th Rank	10th Rank	13th Rank	13th Rank	33rd Rank	74th Rank

हिन्दी माध्यम में अब तक का सर्वश्रेष्ठ रैंक

रवि कु. सिहाग	अदित्य कु. झा	हरी शंकर	दिलखुश मीना	जगदीश बांगरवा	जगदीश कुमार	राहुल कु. सिंह	शीतल कुमारी	कमलेश मीना	भारत मनोज फतेसिंह	मिंटू लाल मीना	सचिन कुमार

सुनील कुमार	देवेंद्र प्रकाश मीना	ब्रज मोहन मीना	अनुप मीना	चेतराम मीना	सिद्धार्थ कु. मीना	विवेक कु. दोसाद	ज्योति शर्मा	अनिरुद्ध कुमार	अरविंद प्रताप सिंह	दिनेश कुमार यादव	अजय कुमार यादव

साक्षी गर्ग	राजीव कुमार चौधरी	बबीता रानी स्वैन	आदित्य कुमार झा	सोनल	प्रदीप कुमार द्विवेदी	आशुतोष शुक्ला	लाखन सिंह यादव	विकास मीणा	अनिल कुमार यादव	विजय सिंह गुर्जर	विकास सुंडा

मुकेश कुमार लुनायत	चेतन कुमार मीणा	हेमेंद्र कुमार मीणा	अक्षय कुमार टेमरावाल	कांता जांगिड	बिक्रम गंगवार	अशोक कुमार	अनिल कुमार वर्मा	रतन दीप गुप्ता	पंकज कुमार मीणा	पवन कुमार यादव	निलेश कुमार केशरी

आशीष कुमार	मनोज कुमार रावत	हिमांशु यादव	संदीप कुमार मीणा	भूपेंद्र रावत	शिव सिंह मीना	कमलेश मीना	गौरव कुमार सिंह	कृष्णकांत पाठक	बंदना प्रेयशी	श्वेता सिंघल	श्रीमन शुक्ला

तरुण राठी	सूफिया फारुकी	राज कमल यादव	नीलिमा	उदित प्रकाश	किंजल सिंह	शचीन्द्र प्रताप सिंह	कौशलेन्द्र विक्रम सिंह	मुक्तानंद अग्रवाल	बलदेव पुरुषार्थ	नीतू कुमारी प्रसाद	नथमल डिडेल

मुकेश कुमार	ब्रह्मदेव तिवारी	दयानिधान पांडेय	मनीष कुमार	राजेश प्रधान	आर्द्रा अग्रवाल	रमेश वर्मा	अश्विनी मुदगल	नरेंद्र मीणा	मिथिलेश मिश्रा	गोविंद जयसवाल	अभिषेक सिंह

राहुल रंजन महिवाल	धनंजय सिंह भदौरिया	गिरवर दयाल सिंह	काना राम	शिल्पा गर्ग	दीपक आनंद	रूबल गुप्ता	आशीष सिंह	संगीता तेतरवाल	डॉ. विक्रांत पांडेय	कृष्णा वाजपेयी	सीमा त्रिपाठी

अजीत वसंत	वैभव श्रीवास्तव	अवनीश कुमार शरण	अशोक मीणा	नितीश कुमार	अनूप कुमार सिंह	मनोज कुमार	प्रदीप कुमार	रानू साहू	अमित कुमार	गौरव गांधी	नीलम रानी

विवेक अग्रवाल	दीपि अग्रवाल	अजय कुमार	मनिता मलिक	ब्रजेश संत	अभिषेक सिंह	पुष्पेंद्र कुमार	प्रतिभा पारिक	श्रद्धा जोशी	दीपक वर्णवाल	सुधांशुधर मिश्र	मोहित अग्रवाल